

## लोकटक झील

हाल ही में मणपुरि के लोकटक झील प्राधिकरण ने लोकटक झील पर सभी फ्लोटिंग हाउस और मछली पकड़ने से संबंधित ढाँचों को हटाने के लिये एक नोटिस जारी किया है।

- स्थानीय मत्स्य पालन समुदाय और होम-स्टे संचालकों ने इस नरिणय का पुरजोर वरिध कया।

### संबंधति मुद्दे:

- झील से संबंधति नयिमन का अभाव।
- नव-नरिमति घरों और झोंपड़यिों की संख्या दनि-प्रतदिनि बढ़ती जा रही है; परणामस्वरूप इसने झील पारस्थितिकी तंत्र को खतरे में डाल दया है, और पर्यावरण को भी प्रभावति कया है।
- वर्ष 1983 में शुरु की गई एक प्रमुख जलवदियुत परयोजना के कारण भी इस झील में मछली के उत्पादन और पारंपरिक मत्स्य पालन में भारी कमी आई है।
  - इसके अलावा बाढ़ और अनुपचारति नदयिों दवारा तलछट एवं प्रदूषकों के बढ़ते स्तर के कारण कृषि-योग्य भूमि को हानि पहुँची है।



### लोकटक झील:

- परचिय:
  - यह इम्फाल से लगभग 40 किलोमीटर दक्षणि में स्थति है।
  - लोकटक झील पूरवोत्तर भारत की सबसे बड़ी मीठे जल की झील है, जो जल की सतह के ऊपर तैरती फुमडी के लिये प्रसदिध है।
    - यह झील अपने तैरते वृत्ताकार दलदलों (सर्वेप) के लयि जानी जाती है, जनिहें स्थानीय भाषा में फुमडी कहा जाता है।
    - यह झील अपनी अलोककि सुंदरता के कारण दूर-दूर से पर्यटकों को आकर्षति करती है।
    - ये दलदल दवीपों के सदृश लगते हैं जो मटिटी, कार्बनकि पदार्थ और वनस्पतयिों के इकट्ठे होने से नरिमति हुए हैं।
    - यह दुनया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है, लोकटक झील पर स्थति केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान मणपुरि का डांसगि डयिर 'सांगई' (Rucervus eldii eldii), जो क्मणपुरि का राज्य पशु है, का अंतमि प्राकृतकि आवास है।
    - इसके अलावा झील जलीय पौधों की लगभग 230 प्रजातयिों, 100 प्रकार के पक्षयिों तथा 400 प्रजातयिों के जीवों जैसे- बार्कगि डयिर, सांभर और भारतीय अजगर को आश्रय प्रदान करती है।
  - पारस्थितिकि स्थति और इसके जैवविधिता मूलयों को ध्यान में रखते हुए लोकटक झील को वर्ष 1990 में रामसर अभसिमय के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आरदरभूमि के रूप में नामति कया गया था।
    - बाद में इसे वर्ष 1993 में मान्ट्रेक्स रकिॉर्ड के तहत भी सूचीबद्ध कया गया था।

### आगे की राह

- चूँकि अधिकांश फ्लोटिंग होम-स्टे संचालक शक्ति बेरोज़गार युवा हैं, इसलिये सरकारी प्राधिकरणों को उनकी न्याय-नरिणयन प्रक्रिया को सरल बनाने एवं आवश्यक परिवर्तनों हेतु सुझाव देना चाहिये।
- इसके अलावा इसके संरक्षण और रखरखाव में योगदान करने के लिये प्रत्येक हतिधारक की सामूहिक ज़िम्मेदारी की आवश्यकता है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न: नमिनलखिति में से कौन-सा एक नेशनल पार्क इसलिये अनूठा है कविह एक प्लवमान (फ्लोटिंग) वनस्पतिसे युक्त अनूप (सर्वैप) होने के कारण समृद्ध जैवविविधिता को बढ़ावा देता है? (2015)

- (a) भीतरकणिका नेशनल पार्क
- (b) केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क
- (c) केवलादेव घाना नेशनल पार्क
- (d) सुल्तानपुर नेशनल पार्क

उत्तर: B

व्याख्या:

- **केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान:** यह दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है, लोकटक झील पर स्थिति केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान मणपुरि का डांसिंग डियर 'सांगई' (Rucervus eldii eldii) का अंतिम प्राकृतिक आवास है। यह मणपुरि का राज्य पशु है। राष्ट्रीय उद्यान को स्थानीय रूप से 'फुमडी' (एक मणपुरि शब्द जिसका अर्थ है मट्टी और वनस्पति की तैरती हुई चटाई) कहा जाता है। लोकटक झील भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की सबसे बड़ी प्राकृतिक मीठे पानी की झील है और इसे 1990 में रामसर कन्वेंशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि के रूप में नामित किया गया है।
- **भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान:** इसे वर्ष 1998 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था और यह ओडिशा के केंद्रपाड़ा ज़िले में स्थिति है। वर्ष 2002 में इसे रामसर कन्वेंशन के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि के रूप में शामिल किया गया था। यह खारे पानी के मगरमच्छ (क्रोकोडायलस पोरोसस), सफेद मगरमच्छ, भारतीय अजगर, कगि कोबरा, ब्लैक आइबिस, डार्टर और वनस्पतियों एवं जीवों की कई अन्य प्रजातियों का घर है। भीतरकनिका अभयारण्य भारत में दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव पारस्थितिकी तंत्र है। उद्यान अपने ग्रीन मैंग्रोव, प्रवासी पक्षियों, कछुओं, मुहाना मगरमच्छों और अनगणित खाड़ियों के लिये प्रसिद्ध है।
- **केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान:** इसे पहले भरतपुर पक्षी अभयारण्य के रूप में जाना जाता था और यह भरतपुर, राजस्थान में स्थिति है। यह एक प्रसिद्ध एवफ़ौना अभयारण्य है जो हजारों पक्षियों की खासकर सर्दियों के मौसम में मेज़बानी करता है। इसे वर्ष 1971 में संरक्षित अभयारण्य घोषित किया गया था। यह एक विश्व धरोहर स्थल भी है और वर्ष 1981 में वेटलैंड कन्वेंशन के तहत इसे रामसर साइट के रूप में नामित किया गया था। यह एक मानव नरिमति और मानव-प्रबंधित आर्द्रभूमि है। इसे पक्षियों की 230 से अधिक प्रजातियों का निवास स्थान माना जाता है।
- **सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य:** हरियाणा के गुरुग्राम ज़िले में स्थिति सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य कई प्रवासी पक्षी प्रजातियों का घर है। इसके छोटे से क्षेत्र में उथले मीठे जल की सुल्तानपुर झील शामिल है, जहाँ हर साल 100 प्रवासी पक्षी प्रजातियों भोजन के लिये आती हैं। सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान साइबेरियाई सारस, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक-वगिड स्टलिट, कॉमन टील, कॉमन ग्रीनशैंक और नॉर्दर्न पटिल, येलो वैगटेल, व्हाइट वैगटेल, नॉर्दर्न शॉवेलर और रोजी पेलकिन जैसे पक्षियों की समृद्ध विविधता के लिये जाना जाता है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

प्रश्न: आर्द्रभूमि क्या है? आर्द्रभूमि संरक्षण के संदर्भ में 'बुद्धमिान उपयोग' की रामसर अवधारणा की व्याख्या कीजिये। भारत के रामसर स्थलों के दो उदाहरण दीजिये। (2018, मुख्य परीक्षा)

स्रोत: डाउन टू अर्थ